Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 50, गुरुवार, 15 मार्च 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिसः- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

बसपा नेता लालजी वर्मा के बेटे ने गोली मार कर की खुदकुशी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी की राजधानी लखनऊ में गोमतीनगर में बसपा नेता लालजी वर्मा के बेटे विकास वर्मा ने बुधवार को लाइसेंसी दोनाली बंदूक से खुद को गोली मार कर खुदकुशी कर ली। परिवारीजन खून से लथपथ विकास को लेकर ट्रामा सेंटर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस को उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। ट्रामा सेंटर पहुंचे एसएसपी ने बताया कि करीब एक साल पहले भी विकास खुदकुशी का प्रयास कर चुका है। पुलिस पड़ताल कर रही है। विजयंत खंड-3 में बुधवार सुबह विकास ने अपने कमरे में बंदूक की नाल सीने पर रख कर पैर के अंगूठे से फायर किया। बताया जा रहा है विकास की पत्नी माधुरी से उसका विवाद हुआ था। इससे पहले भी विकास ने अंबेडकरनगर में खुदकुशी के प्रयास किया था। डॉक्टरों ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

उम्र कैद के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे इलियासी

नई दिल्ली। पूर्व टीवी प्रस्तोता और प्रोड्यूसर सुहैब इलियासी ने 18 साल पूर्व अपनी पत्नी अंजू की हत्या के लिए दोषी ठहराए जाने और आजीवन कारावास की सजा के खिलाफ मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति पी एस तेजी की पीठ के समक्ष इस अपील पर सुनवाई15 मार्च को होने की संभावना है। निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने के अलावा इलियासी ने उच्च न्यायालय के समक्ष भी जमानत याचिका दायर की है। मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद पिछले वर्ष16 दिसम्बर को उसे हिरासत में लिया गया था। इलियासी का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील राजीव मोहन ने कहा कि हत्या के लिए धारा302 के तहत आरोपों में संशोधन के बाद उन्हें सभी गवाहों से जिरह का अवसर नहीं दिया गया। निचली अदालत ने20 दिसम्बर2017 को पत्नी की हत्या के लिए इलियासी को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए कहा, '' उसने हत्या कर इसे आत्महत्या का रंग दे दिया।'

विशेष सत्र बुलाकर प्रस्ताव केंद्र को भेजें सीएम: मनोज

सर्वदलीय बैठक का बहिष्कार भाजपा का सही निर्णय : गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीलिंग को लेकर मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की सर्वदलीय बैठक में शामिल न होने के प्रदेश भाजपा के निर्णय को नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता से सही बताया है। उनका तर्क है कि भाजपा के इस निर्णय से केजरीवाल सरकार पूरी तरह बेनकाब हो गई है और मुख्यमंत्री ने माना है कि सीलिंग रोकने के लिए प्रयास करना दिल्ली सरकार की जिम्मेदारी है। यह बात उन्होंने विधायक दल की बैठक के बाद कही। बैठक में नेता विपक्ष ने सवाल किया है कि केजरीवाल सरकार अब तक इस मुद्दे से क्यों मुंह छिपाती रही। नेता विपक्ष ने कहा कि भाजपा विधानसभा सत्र में सीलिंग के मुद्दे को उठाएगी और आप सरकार को बेनकाब करेगी। उनकी कोशिश होगी कि सरकार कारोबारियों को राहत दिलाने के लिए हर मंच पर जाये। उन्होंने कहा कि भाजपा पहले ही सीलिंग से राहत दिलाने के लिए प्रयासरत और आगे भी काम करती रहेगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा है कि यदि दिल्ली सरकार सीलिंग को लेकर गंभीर है, तो मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल 15 मार्च को विधानसभा में विशेष एक दिन का सत्र बुलाकर प्रस्ताव पास कर केंद्र को भेजें। उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने अनर्गल बयान देकर सीलिंग के मुद्दे को गंभीर बना दिया है। सरकारी विदेश यात्रा पर गये मनोज तिवारी ने टेली कांफ्रेंसिंग के जरिए मंगलवार को कार्यकर्ताओं की बैठक ली। राजधानी में चल रही सीलिंग के लिए उन्होंने कांग्रेस को सबसे अधिक जिम्मेदार बताया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सीलिंग के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार एवं डीडीए जिम्मेदार है। 2006 में भी यह मामला बेहद पेंचीदा बन गया था, लेकिन तत्कालीन केंद्र सरकार एवं डीडीए ने इसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया।

रेलवे भर्ती परीक्षा 2018 अंतिम तिथि है 31 मार्च

90000 पदों के लिए अब तक डेढ़ करोड़ से ज्यादा आवेदन

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे में निकली 90 हजार भर्तियों के लिए अब तक डेढ़ करोड़ से ज्यादा लोग रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। गौरतलब है कि पिछले महीने रेलवे ने ग्रुप सी और डी के पदों के लिए 90 हजार वैकेंसी निकाली थी। ये रेलवे की अब तक की सबसे बड़ी भर्ती है। रेलवे अधिकारी के मुताबिक डेढ़ करोड़ से ज्यादा उम्मीदवार प्रारंभिक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी कर चुके हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च है। जाहिर है आवेदनों की संख्या में और इजाफा होगा। समूह सी के लिए 26,502 और समूह डी के लिए 62,907 पदों पर भर्तियां निकाली गई हैं। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक पंजीकरण उम्मीदवारों द्वारा उनके नाम और पते के साथ किया जाता है। आवेदन का अगला कदम विवरण भर कर शुल्क का भुगतान करना है। आरआरबी आवेदन पत्र के प्रारंभिक पंजीकरण में उम्मीदवारों को अन्य विवरण जैसे नाम, पिता का नाम, जन्म तिथि, समुदाय, ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर के साथ शैक्षिक योग्यता की जानकारी देनी होती है। रेलवे भर्ती बोर्ड अप्रैल और मई 2018 के बीच परीक्षा आयोजित करेगा। रिक्तियों के लिए अधिसूचना जारी करने के बाद इसके कई नियमों को लेकर देश के कई हिस्सों समेत भारी विरोध हुआ था। इसके बाद रेलवे ने उम्र और शैक्षणिक योग्यता के संबंध में कई बदलाव किए।

प्राधिकार के सामने अपना पक्ष साक्ष्यों सहित प्रस्तुत करने के लिए तैयार

एनएसआईटी को बदनाम करने के लिए किया जा रहा दुष्प्रचार

नई दिल्ली। नेताजी सुभाष इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनएसआईटी) के निदेशक प्रो. जेपी सैनी ने कहा है कि कुछ शरारती तत्व संस्थान की प्रतिष्ठा को धूमिल कर विकास कायरे में बाधा पहुंचाने के लिए उनके खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे हैं। उनपर जो तीन शोध पत्रों को प्लेजराइज (साहित्यिक चोरी) किए जाने का आरोप लगाया गया है, वह पूर्णतया निराधार है। सैनी ने कहा वह अकादमिक सुधार के लिए संस्थान में कई काम कर रहे हैं जिससे वे लोग परेशान हैं जिनका एकाधिकार खतरे में है। सैनी ने राष्ट्रीय सहारा से की गई बातचीत में कहा कि लगाए गए आरोप पूर्णतया गलत तयों पर आधारित हैं। सॉफ्टवेयर को गलत तरीके से उपयोग कर मनगढ़ंत रिपोर्ट तैयार की गई है तथा संस्थान में अराजकता का माहौल बनाने का असफल प्रयास किया जा रहा है। वह उपयुक्त समय पर सक्षम प्राधिकार के सामने अपना पक्ष साक्ष्यों सहित प्रस्तुत करने के लिए तैयार हैं। प्रो. सैनी ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल की अल्प अवधि में संस्थान हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं जिसमें एक डीन एवं विभागाध्यक्षों को तीन साल में रोटेट किये जाने तथा वर्षो से लंबित शिक्षकों की पदोन्नति का भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

गैंगमैन ने तत्परता दिखाते हुए बड़ा रेल हादसा टाल दिया।

बड़ा रेल हादसा टला

नई दिल्ली। मंगलवार सुबह एक बड़ा ट्रेन हादसा टल गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक इंद्रप्रस्थ के पास रेलव ट्रैक का ऊपरी हिस्सा टूटा हुआ था। उसी ट्रैक पर शिव गंगा एक्सप्रेस आ रही थी, लेकिन गैंगमैन ने तत्परता दिखाते हुए बड़ा रेल हादसा टाल दिया। उत्तर रेलवे के प्रवक्ता के अनुसार सुबह 7.55 बजे गैंगमैन प्रिया स्वामी ने हेड आफिस को बताया कि ब्लाक सेक्शन बीपीएनएल-टीकेजे लाइन -यूपी जीएएल पर ट्रैक टूटा है। सूचना मिलते ही इस रूट पर आने वाली ट्रेन को डायर्वट कर दिया गया। प्रवक्ता के अनुसार गैंगमैन ने इस ट्रैक पर आ रही शिवगंगा एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रोका। प्रवक्ता के मुताबिक ट्रैक सवा नौ बजे तक रिपेयर कर दिया गया। इस दौरान ट्रेन नम्बर 12559 एक घंटे तक रुकी रही।

देश भर से आए रेल कर्मचारियों का संसद मार्ग पर प्रदर्शन

नई दिल्ली। रेल कर्मचारियों ने नई पेंशन स्कीम की जगह पुरानी पेंशन स्कीम बहाल करने, न्यूनतम वेतन एवं फिटमेंट फार्मूला में सुधार करने, रेलवे में ठेकेदारी प्रथा एवं निजीकरण पर रोक लगाये जाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन में एआईआरएफ से जुड़े विभिन्न जोनों एवं उत्पादन इकाइयों से जुड़े कर्ममारी शामिल थे। संसद मार्ग पर पहुंचे रेल कर्मचारियों को संबोधित करते हुए एआईआरएफ के महामंत्री शिव गोपाल मिश्र ने कहा कि सातवें वेतन आयोग की रिपोर्ट से समूचे केन्द्रीय कर्मचारियों में बहुत नाराजगी है। चार केन्द्रीय मंत्रियों ने हमें आश्वासन दिया था कि वह हमारी समस्याओं का समाधान करेंगे पर 18 माह गुजर जाने के बाद भी हमारी उचित मांगों का निराकरण नहीं हुआ है। जीएसटी लागू होने के बाद कीमतें तेजी से बढ़ी हैं, जिससे कर्मचारियों के सामने आर्थिक समस्या खड़ी हो गई है।

''हमने सोचा भी नहीं था इस कदर सपा को ट्रांसफर होंगे बसपा के वोट''

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश उपचुनाव में गोरखपुर और फूलपुर लोकसभा सीट पर बीजेपी की हार में सिर्फ औपचारिकताएं ही शेष हैं। दोनों सीटों पर बीजेपी बुरी तरह पिछड़ गई है। फूलपुर में समाजवादी पार्टी के नागेंद्र पटेल और गोरखपुर में प्रवीण निषाद बड़ी बढ़त लिए हुए हैं।

पार्टी को हारता देख यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने कहा कि चुनाव परिणाम आने के बाद इसकी समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि सपा और बसपा के एक साथ आने से समीकरण इस कदर बदलेंगे इसका अंदाजा नहीं था।

मौर्या ने कहा कि हमें उम्मीद नहीं थी कि बसपा के वोट सपा प्रत्याशी को इस कदर ट्रांसफर होंगे। उन्होंने कहा कि गोरखपुर से आए चुनाव परिणामों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि 2019 में सपा, बसपा और कांग्रेस के गठबंधन को ध्यान में रखते हुए रणनीति तैयार की जाएगी। वहीं, सपा महासचिव रामगोपाल यादव ने सपा की जीत में

बीएसपी के गठबंधन को बड़ा योगदान बताया है। बता दें कि बीएसपी ने उपचुनाव में अपने किसी प्रत्याशी को न उतारते हुए सपा को समर्थन देने की बात पहले ही कह दी थी।

गोरखपुर और फूलपुर से आए चुनाव परिणामों को 2019 लोकसभा चुनावों के लिहाज से देखा जा रहा है। राजनीति के जानकारों के मुताबिक सपा-बसपा गठबंधन आगामी लोकसभा चुनावों में 'मोदी लहर' को रोकने के लिए सफल साबित हो सकता है। बता दें कि इसस पहले 1993 में सपा और बसपा के बीच चुनावी गठबंधन हुआ था। 1995 में दोनों दलों का गठबंधन टूट गया था।

मालूम हो कि योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद से गोरखपुर सीट खाली हुई है।

वहीं केशव प्रसाद मौर्य के उपमुख्यमंत्री बनने के बाद फूलपुर लोकसभा सीट खाली हुई थी।

सपा के साथ आने से बदला समीकरण, लगे 'बुआ-भतीजा' जिंदाबाद के नारे

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश और बिहार उप-चुनाव के रूझानों में काफी हद तक तस्वीर सामने आ गई है। अब तक के मिले रूझानों के मुताबिक साफ तौर पर उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी बीजेपी के गढ़ गोरखपुर में सेंधमारी करती हुई दिखाई दे रही है। जबकि, 2014 के चुनाव में भारी मतों से फूलपुर सीट जातनेवाले उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की सीट बीजेपी के खाते से निकलती दिख रही है।

सपा कार्यालय में बुआ-भतीजा जिंदाबाद के नारे

इन रूझानों के बीजेपी कार्यालय में शोक की लहर है जबकि फूलपुर सीट पर पहले राउंड से बढ़त के बाद सपा कार्यकर्ताओं में जश्न दिखा। दोपहर आते-आते गोरखपुर में भी सपा के उम्मीदवार अपने विपक्षी उम्मीदवार से आगे निकल गए। जिसके बाद कार्यकर्ता रंगों के साथ खुशियां मनाते हुए 'बुआ-भतीजा जिंदाबाद', 'जय अखिलेश' के नारे लगाते हुए नजर आए।

ममता ने कहा- ये अंत की शुरुआत है

उधर, उप-चुनावों में भाजपा को शिकस्त मिलते देख पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ट्वीट कर उसे बड़ी जीत बताया। ममता ने आगे लिखा, मायावती जी और अखिलेश यादव जी को उपचुनाव के लिए बधाई। यह अंत की अब शुरूआत हो गई है।

लालू को नहीं विचार को कैद किया

उधर, इस उप-चुनाव के बाद आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने इस बहाने बीजेपी पर हमला बोल दिया। तेजस्वी ने ट्वीटर पर लिखा- आपने 'लालू' को नहीं एक विचार को क़ैद किया है। यही विचार और धारा आपके अहंकार को चूर-चूर करेगी।

हमने जनता की अदालत में बड़ी विनम्रता से अपनी बात रखी।जनता के प्यार ने विनम्रता और शक्ति प्रदान की है बाक़ी लोकतंत्र में जीत-हार चलती रहती है।

नहीं कम हुआ जानलेवा ग्लेंडर्स संक्रमण का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में अब तक 49 घोड़ों को मौत की नींद सुला चुका जानलेवा संक्रमण ग्लेंडर्स अब दिल्ली की सीमा लांघकर उत्तर प्रदेश में प्रवेश कर चुका है। वेटेनरी एक्सपट्र्स को शक है कि चूंकि लोनी दिल्ली से सटा है इसलिए इस क्षेत्र में घोड़ों में संक्रमण होने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। इसके मद्देनजर घोड़ा रखने वाले व्यापारियों को जल्द ही एक गाइडलाइन जारी की जाएगी जिसमें यह नसीहत दी जाएगी कि वे कौन से लक्षण होने पर क्या करें, किस डाक्टर से परामर्श लें। रोकथाम संबंधी कौन से कदम उठाएं। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र से आई रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली के बाद अब एक लोनी स्थित एक घोड़े में संक्रमण मिला है जिसे जल्द ही मौत की नींद सुलाया जाएगा। राहत की बात यह है कि पिछले करीब एक महीने में दिल्ली में इस संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। दिल्ली पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. जितेंद्र गौड के अनुसार दिल्ली में स्थित सभी घोड़ों के रक्त नमूनों की एक बार जांच हो गई है। इनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है लेकिन ग्लेंडर्स का कीटाणु एक बार शरीर में प्रवेश करने के बाद अगले छह महीने तक कभी भी सक्रिय हो सकता है। कीटाणु के शरीर में प्रवेश के बाद संक्रमण रोकने के लिए अभी तक इलाज नहीं है।

पार्टी कार्यकर्ता एकत्र हुए और दिल्ली सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सीलिंग रुकवाने की मांग की।

भाजपा ने फूंक केजरीवाल का पुतला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीलिंग के विरोध में मंगलवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने शादीपुर बस डिपो, करोलबाग एवं राजेंद्र नगर में प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री का पुतला फूंका। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व प्रदेश महामंत्री राजेश भाटिया कर रहे थे। पार्टी कार्यकर्ता एकत्र हुए और दिल्ली सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सीलिंग रुकवाने की मांग की। करोलबाल के जिलाध्यक्ष भारत भूषण मदान की अगुवाई में भाजपा कार्यकर्ता एकत्र हुए। कार्यकर्ताओं को राजेश भाटिया ने संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार सीलिंग को लेकर लगातार चुप्पी साधे रही है। दिल्ली सरकार की ओर से अभी तक एक प्रयास नहीं किया गया है।

बिहार बोर्ड रिजल्ट

5000 छात्रों ने उत्तर पुस्तिका में की ये गलती

पटना (एजेंसी)। इंटर मूल्यांकन के दौरान छात्रों की गलती सामने आ रही है। इंटर के लगभग पांच हजार छात्रों ने उत्तर पुस्तिका पर अंक वाली जगह पर अपना नाम और रौल नंबर लिख दिया है। अब जब स्कैन किया जा रहा है तो यह पकड़ में आ रहा है।

स्कैन के दौरान मार्क्स की जगह छात्रों का नाम और रौल नंबर आ रहा है। ज्ञात हो कि इस बार उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर ओएमआर अटैच किया गया था।

यह ओएमआर तीन पार्ट में था। पहले और तीसरे पार्ट में छात्रों को अपना डिटेल्स भरना था। बीच वाले भाग परीक्षकों के लिए थे।

इस भाग में उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन के बाद परीक्षकों के लिए भरा जाना था। लेकिन बीच वाले भाग में भी छात्रों ने ही भर दिया है।

14 केंद्रों से मार्क्स फाइल आ चुके हैं। इसके स्कैन का काम भी शुरू हो चुका है।

बोर्ड सूत्रों की माने तो जैसे-जैसे मूल्यांकन केंद्र से मार्क्स फाइल आ रहे हैं, उसी तरह से स्कैन का भी काम चल रहा है। गौरतलब है कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने इंटर के मूल्यांकन की तिथि बढ़ा दी है। पहले इंटर का मूल्यांकन की तिथि 11 मार्च तक निर्धारित की गयी थी, लेकिन अब इसे बढ़ा कर 18 मार्च कर दिया गया है। इसकी जानकारी बोर्ड अध्यक्ष आनंद किशोर ने दी।

एक मूल्यांकन केंद्र से स्थानांतरित होंगे परीक्षक

इंटर मूल्यांकन केंद्रों पर जिन विषयों का मूल्यांकन संबंधित केंद्र पर समाप्त हो गया है। वहां से परीक्षकों का स्थानांतरण दूसरे मूल्यांकन केंद्र पर किया जाएगा।

बिहार बोर्ड की मानें तो कई मूल्यांकन केंद्रों पर जरूरत से अधिक परीक्षक हैं। वहीं कई मूल्यांकन केंद्र ऐसे हैं जहां पर परीक्षकों की कमी के कारण मूल्यांकन बाधित है। ऐसे में अब परीक्षक एक केंद्र से दूसरे केंद्र पर स्थानांतरित किए जाएंगे। इसको लेकर बिहार बोर्ड ने पत्र सारे केंद्रों को जारी किया है। इंटर मूल्यांकन शुरू हुए पांच दिन हो गए, लेकिन अभी कई मूल्यांकन केंद्र पर शिक्षकों का योगदान नहीं हो पाया है। लगभग 30 फीसदी मूल्यांकन हो पाया है।

संधियों का पालन तभी तक किया जाता है, जब तक उनका हितों से सामंजस्य रहता है -नेपोलियन प्रथम

समस्या राजनीतिक नहीं सामाजिक

जम्मू-कश्मीर की मुख्यमंत्री एवं पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने जिस तरह वित्त मंत्री डॉ. हसीब द्राबू को मंत्रिमंडल से बाहर निकाला उसे किसी दृष्टि से सही नहीं ठहराया जा सकता है। द्राबू का दोष तो केवल इतना था कि उन्होंने दिल्ली के एक कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर समस्या के बारे में यह बयान दिया था। उन्होंने कहा कि राज्य की समस्या राजनीतिक नहीं सामाजिक है। आखिर ऐसा कहने से कौन सा पहाड़ टूट पड़ा ? किंतु पीडीपी ही नहीं कश्मीर में राजनीति करने वाले दलों एवं नेताओं के लिए यह डंक मारने जैसा था। उन्हें सच सुनने की आदत ही नहीं है। वे कश्मीर को भारत और पाकिस्तान के बीच की राजनीतिक समस्या मानते हैं। पीडीपी की हमदर्दी अलगाववादियों से लेकर आतंकवादियों तक से रही है। वह राजनीति में होते हुए थोड़े शब्दों के हेर फेर से वही भाषा बोलती है। सत्ता में होने के कारण उसके नेता थोड़ा संयम बरतते हैं, अन्यथा उसकी मान्यता यही है कि भारत के नेताओं, यहां की सेना एवं अर्धसैनिक बलों ने वहां के लोगों के साथ अन्याय किया है। वो कश्मीर समस्या के हल के लिए पाकिस्तान और हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से बातचीत की वकालत करते रहे हैं। भारत के शेष लोगों के लिए जम्मू-कश्मीर की समस्या पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद प्रायोजित करने और अलगाववादियों को हर तरह की मदद एवं शह देने के कारण बना हुआ है। हमारे लिए कश्मीर की समस्या है तो बस पाक अधिकृत भाग को उससे मुक्त कराना। पीडीपी और नेशलन कॉन्फ्रेंस जैसी पार्टियों का मत इससे भिन्न है। वे इस मामले में शेष भारत के साथ नहीं हैं। द्राबू ने शेष भारत की सोच को अपने वक्तव्य से लगभग स्वीकार किया था। कायदे से इस पर बहस होनी चाहिए थी कि वाकई उन्होंने जो कहा वह सच है या नहीं ? आखिर अलगाववादियों ने सबसे पहले द्राबू की मुखालफ्त की। पूर्व मुख्यमंत्री फारु ख अब्दुल्ला तक ने कह दिया कि पीडीपी सत्ता के लिए भाजपा की भाषा बोल रही है। इस कदम से महबूबा ने साबित कर दिया कि सत्ता में आने के बावजूद उनकी सोच बदली नहीं है। भाजपा के साथ काम करने के बावजूद वे अपने को बदलने को तैयार नहीं है। किंतु द्राबू का बयान यह भी साबित करता है कि वहां के भी कुछ नेताओं की सोच बदल रही है। यह देश के लिए अच्छा है, लेकिन अगर ऐसे लोगों को किनारे किया गया तो फिर अलगाववादी आवाज वाले ही शक्तिशाली होंगे। इसलिए द्राबू का देश भर में समर्थन किया जाना चाहिए।

किसान आंदोलनरत

महाराष्ट्र के किसान आंदोलनरत हैं। सरकारी उदासीनता और तमाम अन्य परेशानियों ने उन्हें एक बार फिर सरकार के खिलाफहोने को बाध्य किया। यही वजह है कि उत्तरी महाराष्ट्र के नासिक से 180 किलोमीटर की दूरी पांच दिन में पैदल नापकर किसान-आदिवासी तबका मुंबई पहुंचा। करीब 40 से 50 हजार की संख्या में देश की आर्थिक राजधानी पहुंचे किसानों की मुख्य मांगें उनकी खस्ताहाल आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के साथ ही कर्ज माफी, जमीनों का बिना किसी नीति और नियोजन के अधिग्रहण आदि से संबंधित थी। यह बात किसी से छुपी नहीं है कि देश विशेषकर महाराष्ट्र में किसानों के हालात बेहद दयनीय और कष्टप्रद है। पिछले 25 साल में देश में चार लाख से ज्यादा किसानों ने खुदकुशी की है। अकेले महाराष्ट्र में यह आंकड़ा 70 हजार है, जो सबसे ज्यादा है। यहां तक कि पिछले साल महाराष्ट्र सरकार के 34 हजार करोड़ रुपये ऋण माफी के ऐलान के बाद करीब 1700 किसान अपनी जीवनलीला खत्म कर चुके हैं। ठीक है कि फड़णवीस सरकार ने न केवल किसानों की ज्यादातर मांगें मान ली बल्कि उन्हें मानने का लिखित आश्वासन भी दिया। लेकिन यह आचरण तो हर आंदोलन के बाद का हिस्सा है।

सरकार के आश्वासन देने या किसानों की दिक्कतों को समझने या मांगों को मान लेने के बाद भी हालात जटिल ही हैं। किसानों की स्थिति में बदलाव आया है और न सरकारों के रवैये में ईमानदारी या किसानों के प्रति संवेदना जागी है। और ऐसा सिर्फ महाराष्ट्र सरकार ने किया है, ऐसा भी नहीं है। चुनाव के वक्त स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को अमल में लाने की बात करने वाले नरेन्द्र मोदी जब केंद्र में सत्तासीन हुए तो उन्हीं की सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफ नामा देकर कहा था कि लागत पर 50 फीसद अधिक नहीं दिया जा सकता, क्योंकि ये बाजार खराब कर देगा। सरकार किसानों की बेहतरी को लेकर संजीदा होती तो किसानों को आंदोलन करने, हिंसक होने या अपनी जान देने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ता। सरकार को अब आश्वासन की घुट्टी पिलाने से अलग कुछ करना होगा। सिर्फ कर्ज माफी नहीं नहीं वरन कर्ज वसूली के टुच्चे तरीके भी बदलने की कवायद करनी होगी। और यह सब बहुत जल्द करना होगा।

सत्संग

संन्यास

भारतीय परंपरा में जीवन को चार चरणों में बांटा गया है, जिन्हें वर्णाश्रम धर्म कहा गया है- ब्रह्मर्चय, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास। इंसान के जीवन को इन चार पहलुओं में बांट कर देखा गया है। ब्रह्मर्चय से मतलब है कि यह समय सीखने का है, बाहर जाकर चीजों को जानने-समझने का है। अगला चरण गृहस्थ का है, जहां वह अपने आस-पास की दुनिया की बेहतरी के लिए काम करता है, दुनिया और मानव जाति के निर्माण में योगदान देता है। इस दौरान ब्रह्मर्चय जीवन के दौरान सीखी गई चीजों का इस्तेमाल कर अपने और अपने आसपास के लोगों को एक बेहतर जीवन देने की कोशिश करता है। वानप्रस्थ का मतलब है कि अब वह पारिवारिक जीवन से रिटायर हो कर खुद को जीवन के अगले चरण यानी संन्यास के लिए तैयार कर रहा है। संन्यास का मतलब है कि व्यक्ति ने कम से कम एक खास स्तर की मानसिक और शारीरिक गरिमा हासिल कर ली है, जहां उसके लिए भौतिक चीजें महत्वपूर्ण नहीं रह गई हैं। जब आप पैदा होते हैं, तो आप नंगे पैदा होते हैं, आगे चलकर आपको कपड़े दिए जाते हैं। जब आप बाल अवस्था में होते हैं, तो ज्यादा कपड़ों में नहीं होते। लेकिन जैसे ही आप ब्रह्मर्चय में प्रवेश करते हैं, आपके लिए पहनावा बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। आपको सही तरीके से कपड़े पहनने पड़ते हैं। गृहस्थ को भी अपने शरीर को ढंक कर रखना पड़ता है। लेकिन ब्रह्मर्चय में खुद को सही तरीके से ढंक कर रहना पड़ता है, यह नियम है। वानप्रस्थ तो एक तरह की तैयारी है। संन्यास का मतलब एक बार फिर बच्चे की तरह नंगा हो जाना है, एक बार फिर से बच्चे की तरह मासूम हो जाना है। इंसान एक बार फिर तरोताजा हो जाता है, और हर तरह के बोझ से मुक्त हो जाता है। अपने यहां एक परंपरा है, कि जब कोई व्यक्ति मरता है, चाहे वह स्त्री हो या पुरु ष, तो लोग उसके अंतिम संस्कार के लिए उसे ले जाते समय पूरी तरह से नग्न ले जाते हैं। भारत में जब लोग मरते हैं, तो वे इस धरती से वैसे ही वापस चले जाते हैं, जैसे वे पैदा होते समय आए थे। इसके पीछे मकसद है कि जब आप जीवित थे, तब भले ही आपको इसका अहसास न हो पाया हो, लेकिन अब कम से कम उन लोगों को तो अहसास हो, जो आपको मरने के बाद देख रहे हैं कि अब कपड़ों का कोई मतलब नहीं रह गया है।

चीन और कनाडा ने नये कर ढांचे

टाटा स्टील से जुड़ी कंपनियां यूरोप से अमेरिका को निर्यात करती हैं। वहां समस्याएं आने की आशंका है। इसके अलावा एक बात और है कि जैसे ही अल्यूमिनियम और स्टील के लिए अमेरिकी बाजार बंद होंगे, वैसे ही अल्यूमिनियम और स्टील के बाजार में आपूत्तर[में बढ़ोतरी हो जाएगी। बाजार में बढ़ती आपूत्तर[का एक ही मतलब होता है-कीमतों में गिरावट। यह स्थिति भारतीय स्टील कारोबार के लिए अच्छी नहीं है। स्टील उद्योग की महत्त्वपूर्ण कंपनी टाटा स्टील के शेयरों की कीमतों में पिछले हफ्ते में करीब पांच प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। आपूत्तर में बढ़ोतरी से कीमतों पर दबाव पड़ेगा। भारत के स्टील और अल्यूमिनियम उद्योग को कीमतों में नरमी का सामना करना पड़ेगा। यह बात व्यापार युद्ध के शुरु आती संकेतों से साफ हो गई है। चीन के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा 2017 में 375 अरब डॉलर का हो गया। इसके पहले साल यह 347 अरब डॉलर का था।

सतीश पेडणोकर

कारोबार युद्ध छिड़ने की प्रक्रिया चल निकली है। चीन और अमेरिका ने ताल ठोंक दी है। ताजा कदम अमेरिका ने यह उठाया है कि स्टील पर आयात शुल्क बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया है, और अल्यूमिनियम पर दस प्रतिशत। जाहिर है कि इस कदम से उन देशों को समस्या पैदा होगी जो अमेरिका को स्टील और अल्यूमिनियम का निर्यात करते हैं। चीन और कनाडा ने नये कर ढांचे पर आपत्तियां जताई हैं। इसकी वजहें भी हैं। कनाडा और चीन अल्यूमिनियम व स्टील का भारी मात्रा में निर्यात करते हैं। भारत के लिए इस कदम से सीधे तौर पर कोई बड़ी समस्या नहीं उभरनी। वजह यह है कि अमेरिका के कुल स्टील आयात में भारत में का हिस्सा करीब 2.4 प्रतिशत और अल्यूमिनियम के कुल अमेरिकी आयात में हिस्सेदारी करीब दो प्रतिशत है। इतनी कम हिस्सेदारी को लेकर बहुत परेशानी तो नहीं है पर मसला सिर्फ भारत से जाने वाले निर्यात का नहीं है। टाटा स्टील से जुड़ी कंपनियां यूरोप से अमेरिका को निर्यात करती हैं। वहां समस्याएं आने की आशंका है। इसके अलावा एक बात और है कि जैसे ही अल्यूमिनियम और स्टील के लिए अमेरिकी बाजार बंद होंगे, वैसे ही अल्यूमिनियम और स्टील के बाजार में आपूत्तर में बढ़ोतरी हो जाएगी। बाजार में बढ़ती आपूत्तर का एक ही मतलब होता है-कीमतों में गिरावट। यह स्थिति भारतीय स्टील कारोबार के लिए अच्छी नहीं है। स्टील उद्योग की महत्त्वपूर्ण कंपनी टाटा स्टील के शेयरों की कीमतों में पिछले हफ्ते में करीब पांच प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। आपूत्तर में बढ़ोतरी से कीमतों पर दबाव पड़ेगा। भारत के स्टील और अल्यूमिनियम उद्योग को कीमतों में नरमी का सामना करना पड़ेगा। यह बात व्यापार युद्ध के शुरु आती संकेतों से साफ हो गई है। चीन के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा 2017 में 375 अरब डॉलर का हो गया। इसके पहले साल यह 347 अरब डॉलर का था। कोई देश किसी देश से माल खरीदता है यानी आयात करता है, और उसे माल बेचता है यानी निर्यात करता है। निर्यात और आयात की रकम के बीच के फर्क को व्यापार घाटा कहते हैं। अमेरिका चीन को माल बेच कम पाता है, और उससे खरीदता ज्यादा है। बेचने और खरीदने का फर्क करीब 375 अरब डॉलर का है। इसका मतलब हुआ कि चीनी आइटम अमेरिका में धूम मचा रहे हैं, और अमेरिकी आइटमों को चीन में खास जगह नहीं मिल पा रही। अमेरिका की बड़ी फर्मो ने तमाम आइटम चीन में बनाना शुरू कर दिया है, क्योंकि वहां बनाना सस्ता पड़ता है। अमेरिका में खरीदे गए तमाम आइटमों को उलट-पलट कर देखें तो वहां मेड इन चाइना लिखा मिलता है। कोई आइटम चीन में बन रहा है तो जाहिर है कि उससे रोजगार भी चीनी लोगों को मिलेगा। रोजगार का मसला ट्रंप ने अपने चुनावों में बड़ा बना कर पेश किया था। साफ किया था कि अमेरिकी कंपनियों को रोजगार अवसरों को देश से बाहर ले जाने की इजाजत नहीं दी जाएगी यानी तमाम अमेरिकी कंपनियों को वापस अमेरिका में अपनी निर्माण इकाइयों को लाकर रोजगार के मौके देने होंगे। लेकिन मुद्दा इतना भर नहीं है। अमेरिका फर्स्ट का नारा लगा रहे ट्रंप को यह भी मालूम होना चाहिए कि एक औसत अमेरिकी के लिए कैश फर्स्ट है यानी जहां का आइटम सस्ता मिलेगा वहां का आइटम लिया जाएगा। चाहे आइटम जापान का हो या चीन का। चीनी आइटम सस्ते न रहें इसलिए ट्रंप ने वहां से आने वाले आइटमों को महंगा करने की सोची है। आयात शुल्क लगाकर उन्हें महंगा किया जाएगा तो अमेरिकी उपभोक्ता अमेरिकी आइटमों की तरफ रुख करेगा। ऐसी सोच ट्रंप की है। ट्रंप भारत पर भी बरसे हैं, इस बात के लिए कि भारत में अमेरिकी मोटरसाइकिल हार्ले डेविडसन पर पहले 100 प्रतिशत आयात शुल्क था, जिसे गिराकर 75 प्रतिशत किया गया। फिर इसे पचास प्रतिशत लाने की बात रखी गई। ट्रंप इससे भी नाराज हैं। कहते हैं कि जब भारतीय मोटरसाइकिलें अमेरिका में बिना किसी आयात शुल्क के आती हैं, तो अमेरिकी मोटरसाइकिलों पर भारत में इतना कर क्यों लगाया जाता है। ट्रंप ने एक ट्वीट में कहा कि जो देश हमारे उत्पाद पर पचास प्रतिशत का टैक्स लगाएगा, हम भी उस पर पचास प्रतिशत का टैक्स लगा देंगे। हमारे 800 अरब डॉलर के व्यापार घाटे से निपटने का हमारे पास यही उपाय है। ट्रंप की नाराजगी निश्चय ही अमेरिकी मतदाताओं को खुश करती है। अमेरिकी राष्ट्रपति को अपने मतदाताओं का ख्याल रखना पड़ता है पर कंपनियों को अपने मुनाफे का ध्यान रखना पड़ता है। उनके लिए चीन, भारत में माल बनाना ज्यादा सस्ता पड़ता है। पर ट्रंप इस सस्ते माल को महंगा कर देंगे अमेरिका में, तो एक उद्देश्य में तो सफल हो जाएंगे। अमेरिकन मतदाताओं को समझा पाएंगे कि उन्होंने अमेरिकी हितों को सबसे ऊपर रखा है। पर अमेरिकी उपभोक्ताओं को पहले के मुकाबले ज्यादा महंगी चीजें मिलेंगी, यह भी देर सबेर सामने आएगा। ट्रंप का यह कदम चीन को ज्यादा प्रभावित करेगा क्योंकि चीन से उसका व्यापार घाटा बहुत बड़ा करीब 375 डॉलर का है। भारत के साथ तो अमेरिका का व्यापार घाटा करीब बीस अरब डॉलर का है। इसलिए भारत-अमेरिका व्यापार युद्ध वैसा नहीं हो सकता, जैसा चीन-अमेरिका व्यापार युद्ध। व्यापार युद्ध का साफ आशय है कि चीन भी अमेरिका से आने वाले आइटमों पर आयात शुल्क बढ़ा देगा। इससे अमेरिकी आइटम चीन में महंगे हो जाएंगे। महंगे आइटमों के चलते आशंका है कि अमेरिकी आइटम चीन में कम बिकेंगे। पूरे युद्ध में भारत को अपनी भूमिका तय कर लेनी चाहिए। अमेरिका और चीन विश्व व्यापार के हाथी हैं, भारत तो चींटी की भूमिका में है। निर्यात का भारतीय अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा रोल नहीं है। अमेरिका के साथ भारत के हितों के झगड़े भी वैसे नहीं हैं, जैसे चीन के। चीन के लगभग हर ट्रेडिंग पार्टनर के साथ यही झगड़ा है कि चीन माल बेचता ज्यादा है, खरीदता कम। आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक 2016-17 में चीन के साथ व्यापार में भारत को 51 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ था यानी चीन से आइटम सस्ते ही आ रहे हैं। ये तमाम उद्योगों को चौपट कर रहे हैं। चीन की कूटनीतिक कोशिश यही रहेगी कि भारत को अमेरिका के खिलाफ अपने साथ खड़ा कर ले। पर भारत के हित चीन के साथ एक हद तक ही हैं, आगे नहीं। अमेरिका के साथ भारत को मिल बैठकर मसले सुलझा लेने चाहिए। लड़ाई दो हाथियों के बीच हो जाए, तो चींटी किसी भी तरफ हो, मारी जाती है।

चलते चलते

''हाहाकारी'

गीतकार प्रमोद तिवारी के संग का भयौ ?-चौराहे पर सामने से आती मौत ट्रक चला रही थी और प्रमोद अपनी कार! साथ में सवार हास्य-कवि ''हाहाकारी' जी भी थे। मैं पहले भी कहते-कहते थक गया कि हे कवियो! भोर के अंधेरे में न निकलो। दिनभर की थकन और रातभर की तनावपूर्ण जगन में गा-सुना कर तुम थके हुए होते हो! श्रम के बाद भोजन किया होता है। पल को लगी झपकी, तो समझो मौत लपकी। मंच के अनेक दुर्लभ रत्न इस तरह चले गए। उनका एक गीत अब आपके प्रश्न का अच्छा उत्तर दे सकता है। गीत सुना!-''दिन आवारा बंजारों से, रातें कटती तलवारों से। पैरों को सड़क नहीं मिलतीं, सड़कें चलती हैं कारों से। कारों और नारों में उलझा, जीवन चौराहों पर होगा। सोचा था जंगल छोड़ दिया, पथ को मंगल से जोड़ दिया, लेकिन रोशन चौराहों ने, अंधी गलियों में मोड़ दिया। अंधी गलियों में लुटा-पिटा हर शख्स जहां घर-घर होगा।' प्रमोद अकेले गीतकार थे, जिनका अपना शिल्प था, अपनी कहन थी, अपनी गायकी अपना अंदाज़ था। एक फक्खड़पन के साथ मानवीय गुण उनके अंदर भरे हुए थे। दूसरों की मदद करना उनका स्वभाव था। साथी कवि श्री के. डी. हाहाकारी को घर तक छोड़ने के लिए उन्नाव में मुड़े। मुड़ना था कि मौत ने देख लिया। वे मध्यवर्गीय कस्बाती जीवन के बचपन, किशोरावस्था और यौवन की मस्ती और समाज की विसंगतियों को इशारों में कहने वाले अलमस्त कवि थे। श्रोताओं में शोर होता था, ''टॉफी वाला सुनाइए, नदिया वाला!' सुनाते वही थे जो मन में आता था। कहते थे कि मंच के लिए मैं हमेशा उभरता हुआ कवि रहा हूं। अब उभरता हुआ सीनियर हूं। सुनो, नया सुनो, ''मैं अनहद में गिरता नद हूं, जितना मैं कहता हूं, मेरा आशय उससे भी ज्यादा है। मैं इन आधी और अधूरी कृतियों के सम्मुख क्या बोलूं?' इशारा कहीं और होता था। अब मैं उन्हीं की शैली में कहूं कि ''याद बहुत आते हैं, कविता-कड़ियों वाले दिन! बात-बात पर बातों की फुलझड़ियों वाले दिन!' दोनों कवियों को अलविदा वाला पणाम!

मैं पहले भी कहते-कहते थक गया कि हे कवियो! भोर के अंधेरे में न निकलो। दिनभर की थकन और रातभर की तनावपूर्ण जगन में गा-सुना कर तुम थके हुए होते हो! श्रम के बाद भोजन किया होता है। पल को लगी झपकी, तो समझो मौत लपकी। मंच के अनेक दुर्लभ रत्न इस तरह चले गए। उनका एक गीत अब आपके प्रश्न का अच्छा उत्तर दे सकता है।-गीत सुना!-``दिन आवारा बंजारों से, रातें कटती तलवारों से।

''भीम यात्रा'

भारत को ''स्वच्छ' बनाने के आये दिन दावे किए जा रहे हों, उसके लिए जनता को विशेष सेस/कर भी देना पड़ रहा हो, मगर उसकी जमीनी हकीकत कुछ अलग ही है, इसकी ताईद पिछले दिनों खुद संसदीय समिति ने ही की, जिसकी रिपोर्ट बीते दिनों संसद में पेश की गई। उसने हाथ से मल उठाने वालों के पुनर्वास के बारे में सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्रालय की बेरुखी पर चिंता प्रगट की। समिति को जान कर आर्श्चय हुआ कि ऐसा कैसे हुआ कि पूरे एक साल में महज 902 ऐसे लोग ही चिह्नित जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी, 2017 में हाथ से मल उठाने वालों की संख्या 12,737 थी, जबकि जनवरी, 2018 में यह आंकड़ा 13,636 तक ही पहुंचा। वैसे इस मामले में क्या महज मंत्रालय को ही दोष दिया जा सकता है जबकि देखने में आ रहा है कि विगत चार सालों से भारत सरकार द्वारा मैला उठाने वालों के पुनर्वास के लिए आवंटित बजट में जबरदस्त कमी आई है। प्रश्न उठता है कि आखिर, हाथ से मैला उठाने का काम आज भी क्यों जारी है, जबकि तकनीक में जबरदस्त प्रगति हुई है। भौतिक संपन्नता भी बढ़ी है? क्या वजह यह है कि ''पानी की आपूत्तर वाले संडासों की कमी है' जैसा कि योजना विभाग ने कुछ समय पहले कहा था। अंतरराष्टीय श्रम संगठन द्वारा वर्ष 2015 में जारी ''रिसोर्स हैंडबुक टू एंड मैन्युअल स्केवेजिंगग' देखें तो पता चलता है कि मैला उठाने की प्रथा इस वजह से जारी है कि शुद्धता व प्रदूषण को लेकर जाति संबंधी सांस्कृतिक धारणाएं बनी हुई हैं, और लांछनास्पद कहे गए कामों का जन्म आधारित आवंटन आज भी जारी है। जितनी कोशिशें सरकार/उसकी एजेंसियों की तरफ से इस प्रथा को भुला दिए जाने में लगती हैं, जिसमें काम करने वाले 99 फीसदी लोग दलित तबके से हैं, और उनमें भी 95 फीसदी महिलाएं हैं, जो ''इस बात को प्रतिबिंबित करता है कि जाति, पितृसत्तात्मकता और अस्पृश्यता का बहुस्तरीय उत्पीड़न इन तबकों पर कहर बरपा करता है। प्रथा के खिलाफ लंबे समय से मुहिम में लगे बेजवाड़ा विल्सन को मिले रेमन मैगसेसे अवार्ड को देखें या 125 दिन की यात्रा पूरी करके दिल्ली पहुंची सफाई कर्मचारी आंदोलन की अगुआई में निकली ''भीम यात्रा' को देखें-जिसका विशेष फोकस सीवर एवं सैप्टिक टैंकों में होने वाली मौतों पर था, जिसका प्रमुख नारा था ''सूखे संडासों, सीवर और सैप्टिक टैंकों में हमें मारना बंद कर दो' या राज्य सभा में सत्ताधारी पार्टी से जुड़े एक सांसद ने ''सफाई कर्मचारियों पर बने राष्ट्रीय आयोग के हवाले से शून्य काल में संसद को दी गई सूचना को देखें कि हर साल देश के अलग-अलग हिस्सों में 22,000 से अधिक लोग सीवर सफाई के दौरान मर रहे हैं।' स्वच्छ भारत अभियान जल्द ही चार साल पूरे करेगा, मगर उसकी सफलता संदिग्ध दिखती है। दरअसल, यह एहसास करने की जरूरत है कि धन संग्रहण, बेहतर प्रबंधन, गतिशीलता जैसी बातें अभियान सरीखी चल रही हैं, उनमें नई हरकत अवश्य पैदा कर सकती है, मगर उसमें कोई गुणात्मक बदलाव नहीं ला सकती। वक्त आ गया है कि जाति के आधार पर बंटे भारतीय समाज में हम ऊंच-नीच अनुक्रम में जातियों की स्थिति-एवं निम्न कही गई जातियों के साथ सदियों से नत्थी स्वच्छता संबंधी कामों की लंबी चौड़ी सूची-एवं उसे मिली सामाजिक वैधता को समझें। नीति-निर्माताओं को चाहिए कि आलोचकों के इस नजरिये पर भी गौर करें कि भारत को ''स्वच्छ' बनाने की तमाम कोशिशें मोटा-मोटी /जाति के/ ''पेशागत' दायरे तक फोकस रही हैं, और कोशिशें इसी बात की की गई हैं कि व्यक्ति को सुधारा जाए या उसे कुछ तकनीकी उपकरण प्रदान किए जाएं और जाति को वैसे ही बरकरार रखा जाए।

फोटोग्राफी...

यह है चीन में यलो स्टोन फॉरेस्ट के माउंटेन रोड का दृश्य, इसे वर्लड फोटोग्राफी पुरस्कार के लिए चुना गया

यह फोटो चीन में गान्सू राज्य की जिन्गताइ काउंटी का है, जिसे माउंटेन रोड कहा जाता है। यह रोड यलो स्टोन फॉरेस्ट की तरफ जाता है। यह फोटो सोनी वर्लड फोटोग्राफी अवॉर्ड 2018 के पुरस्कारों की ट्रैवल श्रेणी में पुरस्कार के लिए चुना गया है। उसकी आधिकारिक घोषणा 19 मार्च को लंदन में की जाएगी। फोटो क्लिक करने वाले ली वान्ग ने कहा कि यह टैरेन देखने के लिए आपको या तो ड्रोन उड़ाना होगा या फिर हेलि कॉप्टर में खुद उड़ान भरनी होगी। पश्चिमी चीन का यह दृश्य 'जियोलॉजिकल लैंडस्केप' का प्रदर्शन करता है। वर्लड फोटोग्राफी का पुरस्कार पाने के लिए इस बार संस्था के पास 200 से अधिक देशों से 3.20 लाख प्रविष्टियां भेजी गई थीं। उसके बाद 20 मई तक सॉमरसेट में फोटोग्राफी अवॉर्ड एग्जीबिशन में लोग इन्हें देख सकेंगे। theatlantic.com

रोहित की विस्फोटक पारी, बांग्लादेश को दिया 177 रनों का लक्ष्य

कोलंबो (एजेंसी)।

निडास ट्रॉफी के अपने अंतिम मैच में टीम इंडिया ने बांग्लादेश के सामने जीत के लिए 177 रनों का लक्ष्य रखा. टीम इंडिया ने कप्तान रोहित शर्मा की ताबड़तोड़ पारी की बदौलत 20 ओवर में 176 रन बनाए. रोहित शर्मा ने 61 बॉल में 89 रन बनाए. उनके अलावा सुरेश रैना ने 30 बॉल में 47 रनों की पारी खेली. बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में वह फिफ्टी से चूक गए. बांग्लादेश की ओर से रुबेल हुसैन ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए.

निडास ट्रॉफी के मैच में बांग्लादेश ने टीम इंडिया के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है. टीम इंडिया में एक बदलाव किया गया है. तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट की जगह मोहम्मद सिराज को शामिल किया गया है. टीम इंडिया की ओर से पारी की शुरुआत शिखर धवन और रोहित शर्मा ने की. निडास ट्रॉफी में अब जितनी भी टीमों ने लक्ष्य का पीछा किया है, उन्हें जीत ही मिली है. ऐसे में बांग्लादेश ने भी बाद में बल्लेबाजी का फैसला किया है.

रोहित शर्मा और शिखर धवन की जोड़ी ने टीम इंडिया को शानदार शुरुआत दी. दोनों ने पहले विकेट के लिए में 9.5 ओवर में 70 रनों की भागीदारी की. इस स्कोर पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन ने झटका दिया. उन्होंने 35 रनों पर खेल रहे शिखर धवन को आउट कर दिया. शिखर के आउट होने के बाद रोहित शर्मा ने रैना के साथ टीम का स्कोर आगे बढ़ाया. रोहित ने अपनी हाफ सेंचुरी पूरी की. उन्होंने 44 बॉल में 52 रन बनाए. हाफ सेंचुरी पूरी करते ही रोहित अपने पुराने रंग में लौट आए. उन्होंने एक के बाद एक बॉल को सीमा रेखा के बाहर भेजना शुरू कर दिया. रैना और रोहित ने दूसरे विकेट के लिए 9 ओवर में 100 रनों की साझेदारी कर दी.

अपने पहले मैच में टीम इंडिया को भले ही भारत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा हो, लेकिन श्रीलंका से मिली जीत ने उसके इरादे मजबूत कर दिए हैं. ऐसे में वह भी भारत से मिली अपनी हार का बदला लेकर रविवार को खेले जाने वाले फाइनल में पहुंचना चाहेगी. परिणामों पर नजर डाली जाए, तो ऐसे में अगर भारत को बांग्लादेश से हार भी मिलती है, तो उसे फाइनल के लिए श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले मैच के परिणाम पर निर्भर रहना होगा। टीमों का नैट रन रेट भी मुख्य है.

हार्दिक पांड्या के स्थान पर भारतीय टीम में शामिल हुए विजय शंकर अच्छा खेल रहे हैं और तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने श्रीलंका के खिलाफ खेले गए पिछले मैच में चार विकेट चटकाने के साथ ही अपनी क्षमता का प्रदर्शन दे दिया है. दीपक हुड्डा, मोहम्मद सिराज और अक्षर पटेल अतिरिक्त खिलाड़ियों में शामिल हैं और उनका प्रेमदासा स्टेडियम में उतरना बाकी है.

डेल पोत्रो ने फेरर को हराया, बाहर हुए मारिन सिलिच

इंडियन वेल्स। जुआन मार्टिन डेल पोत्रो ने डेविड फेरर के खिलाफ अपना दबदबा बरकरार रखते हुए आज यहां इंडियन वेल्स एटीपी टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में प्रवेश किया जबकि दूसरी वरीयता प्राप्त मारिन सिलिच को बाहर का रास्ता देखना पड़ा। विश्व में आठवें नंबर के अर्जेंटीनी खिलाड़ी डेल पोत्रो ने इस हार्डकोर्ट टूर्नामेंट में फेरर को 6-4, 7-6 (7/3) से हराया। यह उनकी 2013 विंबलडन क्वार्टर फाइनल से लेकर इस स्पेनिश खिलाड़ी पर लगातार पांचवीं जीत है।

डेल पोत्रो का अगला मुकाबला हमवतन लियोनार्डो मेयर से होगा जिन्होंने जापानी क्वालीफायर टारो डेनियल को 6-4, 6-1 से पराजित किया। विश्व के तीसरे नंबर के सिलिच उलटफेर का शिकार बनने वाले एक अन्य शीर्ष खिलाड़ी बन गये। उन्हें जर्मनी के फिलिप कोलश्राइबर ने 6-4, 6-4 से हराया। तीसरे दौर के अन्य मैचों में कनाडा के मिलोस राओनिच ने पुर्तगाल के जोओ सोसा को 7-5, 4-6, 6-2 से और अमेरिका के सैम क्वेरी ने भारत के युकी भांबरी को 6-7 (4/7), 6-4, 6-4 से हराया।

चेन्नईयिन ने एफसी गोवा को 3-0 से हराया, फाइनल में बेंगलुरू से होगी भिड़ंत

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी ने यहां इंडियन सुपर लीग के सेमीफाइनल के दूसरे चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए एफसी गोवा को3-0 से मात देकर4-1 के कुल स्कोर से फाइनल में प्रवेश किया, जहां उसका सामना बेंगलुरू एफसी से होगा। जेजे लालपेखलुआ ने दो गोल दागे और वह मैच के स्टार रहे। उन्होंने26 वें और90 वें मिनट में गोल कर चेन्नईयिन एफसी को दूसरी बार आईएसएल फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका अदा की। चेन्नई की टीम ने2015 में खिताब अपने नाम किया था। नेहरू स्टेडियम में स्थानीय खिलाड़ी धनपाल गणेश ने29 वें मिनट में हेडर से किये गये शानदार गोल से टीम को2-0 से आगे कर दिया था। चेन्नईयिन की टीम अब बेंगलुरू में श्री कांतीवीरा स्टेडियम में17 मार्च को होने फाइनल में बेंगलुरू एफसी से भिड़ेगी। बेंगलुरू एफसी ने सेमीफाइनल के दोनों चरण में एफसी पुणे सिटी को कुल3-1 के स्कोर से हराया था। पहले हाफ में हालांकि गोवा की टीम ने61 प्रतिशत गेंद पर दबदबा बनाये रखा लेकिन इसका असर मेजबान टीम पर नहीं पड़ा, जिसने पहले हाफ में दो गोल कर लिये। दोनों टीमों के बीच पहला चरण1-1 से ड्रा पर समाप्त हुआ था।

विश्वनाथन आनंद बने रन एडम स्पोर्ट्स के ब्रांड एम्बेसडर

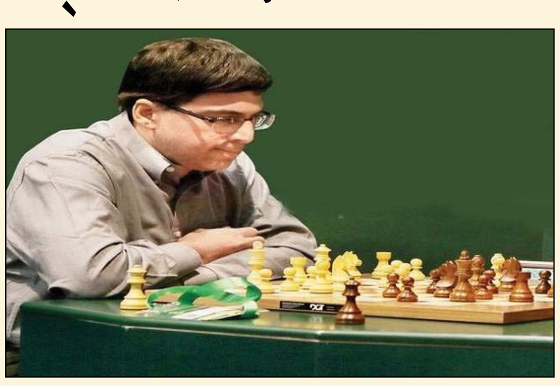

चेन्नई। रन एडम स्पोर्ट्स ने पांच बार के विश्व शतरंज चैम्पियन विश्वनाथन आनंद को अपना खेल विशेषज्ञ और ब्रांड दूत नियुक्त किया। विज्ञप्ति के अनुसार आनंद से' एनालिटिक्स आधारित स्पोर्टिंग प्लेटफार्म' रन एडम स्पोर्ट्स विशेषज्ञ बोर्ड के सदस्य के तौर पर और साथ ही सलाहकार के रूप में करार किया गया। शीर्ष क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी पहले ही विशेषज्ञ बोर्ड का हिस्सा हैं और वह रन एडम के मेंटर हैं। आंनद ने इस जुड़ाव पर खुशी जाहिर की और उन्होंने उम्मीद जतायी कि वह इस एप के जरिये शतरंज सीखने वालों की मदद कर पायेंगे। उन्होंने कहा, 'शतरंज कोचिंग में मेरा रन एडम से जुड़ाव काफी अहम उपलब्धि होगी। एप से मैं शतरंज सीखने वालों की मदद कर पाऊंगा जिन्हें कोच ढूंढने में मुश्किल होती है। इस शुरूआत से कई उदीयमान खिलाड़ियों की मदद होगी।'

सायना बाहर, श्रीकांत कड़े संघर्ष में जीते

बर्मिंघम। पूर्व नंबर एक भारतीय खिलाड़ी सायना नेहवाल बुधवार को ऑल इंग्लैंड बैडमिटन चैंपियनशिप के पहले ही राउंड में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी ताइपे की तेई जू यिग से मात्र 38 मिनट में 14-21, 18-21 से हारकर बाहर हो गयीं जबकि तीसरी वरीयता प्राप्त किदाम्बी श्रीकांत ने कड़े संघर्ष में जीत हासिल कर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया।

श्रीकांत पहली बार फ्रांस के ब्राइस लेवरदेज से खेल रहे थे। विश्व रैंकिंग में भी तीसरे नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने 23वीं रैंकिंग के लेवरदेज को 59 मिनट के मैराथन संघर्ष में 7-21 21-14 22-20 से पराजित किया। श्रीकांत ने पहला गेम आसानी से हारने के बाद बेहतरीन वापसी की। 2017 में चार सुपर सीरीज खिताब जीतने वाले श्रीकांत पिछले साल इस टूर्नामेंट के पहले ही दौर में बाहर हो गये थे लेकिन इस बार पहले दौर का कड़ा मुकाबला जीतने के बाद उनकी चुनौती दूसरे दौर में पहुंच गयी है। वर्ष 2015 में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली सायना मौजूदा विश्व रैंकिंग में 11वें नंबर पर हैं और उनके सामने पहले ही दौर में गत चैंपियन जू यिग की चुनौती पड़ गयी। सायना का ताइपे की दिग्गज खिलाड़ी के खिलाफ 5-9 का करियर रिकार्ड था जो अब 5-10 हो गया है।

40 की उम्र में दिखाया दम, इस भारतीय बल्लेबाज ने ठोक दिया 53 वां शतक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

40 वर्ष की उम्र में क्रिकेट खेलना किसी भी खिलाड़ी के लिए जरा मुश्किल होता है लेकिन भारत के लिए 31 टेस्ट और 2 वनडे खेलने वाले बल्लेबाज वसीम जाफर का जलवा क्रिकेट के मैदान पर लगातार जारी है। जाफर ने ईरानी ट्रॉफी के मुकाबले में रेस्ट ऑफ इंडिया के खिलाफ अपने फर्स्ट क्लास क्रिकेट का 53वां शतक लगाया। जाफर घरेलू मैचों में पहले काफी समय तक मुंबई के लिए खेले लेकिन वर्ष 2015 में उन्होंने मौजूदा रणजी विजेता टीम विदर्भ के लिए खेलना शुरू कर दिया।

घरेलू क्रिकेट में वसीम जाफर को कमाल का बल्लेबाज माना जाता है। भारत के फर्स्ट क्लास घरेलू क्रिकेट में वो सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वो जिस कद के बल्लेबाज हैं उसे देखते हुए कई लोगों का मानना था कि वो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और बेहतर कर सकते थे। जाफर ने भारत के लिए अब तक सिर्फ 31 टेस्ट मैचों में 34.10 की औसत से 1944 रन बनाए हैं। उनके नाम पर टेस्ट में पांच शतक है और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 212 है। वहीं दो वनडे मैचों में उनके नाम पर सिर्फ 10 रन ही है।

पांच दिनों का ईरानी कप घरेलू सीजन के अंत में रणजी ट्रॉफी विजेता और रेस्ट ऑफ इंडिया के बीच खेला जाता है। नागपुर में रेस्ट ऑफ इंडिया और विदर्भ के बीच खेले जा रहे इस मैच के पहले दिन विदर्भ ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। पहले दिन का खेल खत्म होने तक विदर्भ ने दो विकेट पर 289 रन बनाए। इस मैच में पहले दिन वसीम जाफर 166 गेंद पर 113 रन बनाकर नाबाद हैं। अपनी पारी में उन्होंने अब तक 16 चौके और एक छक्का लगाया साथ ही ये उनके फर्स्ट क्लास करियर का 53वां शतक था। वदर्भ की तरफ से ओपनर बल्लेबाज फैज फजल ने 89 और संजय रामास्वामी ने 53 रन की पारी खेली। विदर्भ की तरफ से पहले दिन का खेल खत्म होने तक वसीम जाफर नाबाद 113 रन जबकि गणेश सतीश 29 रन बनाकर नाबाद हैं।

वसीम जाफर के फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर की बात करें तो इस मैच को छोड़कर (ये आंकड़े उनके 242वें फर्स्ट क्लास मैच से पहले का है) इससे पहले तक उन्होंने 241 फर्स्ट क्लास मैचों में 49.78 की औसत से 17824 रन बनाए हैं। इन मैचों में उनके नाम पर 52 शतक हैं और नाबाद 314 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है।

शमी का सिरदर्द बढ़ा, अब होगी फिक्सिंग के आरोपों की जांच

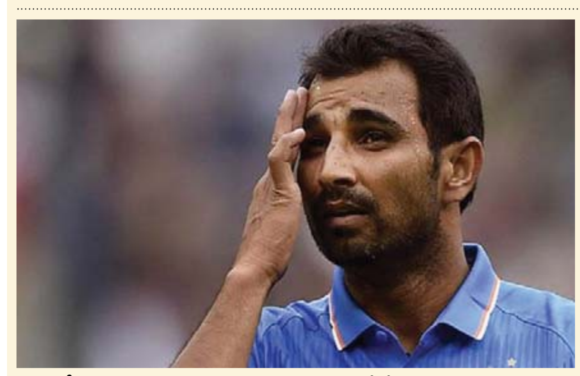

नई दिल्ली। पत्नी हसीन जहां के आरोपों के बाद तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का सिरदर्द बढ़ता ही जा रहा है। अब बीसीसीआई ने अपनी भ्रष्टाचार रोधी इकाई (एसीयू) को शमी पर लगे मैच फिक्सिंग के आरोपों की जांच के आदेश देकर उनका सिरदर्द और बढ़ा दिया है।

बीसीसीआई का संचालन कर रही प्रशासकों की समिति (सीओए) ने शमी पर मैच फिक्सिंग में शामिल होने के आरोपों की जांच करने के लिए एसीयू को पत्र लिखा है। भारतीय क्रिकेटर की पत्नी हसीन जहां ने हाल ही में शमी पर घरेलू हिंसा, बलात्कार, उत्पीडन, विवाहेत्तर संबंधों के साथ उनके मैच फिक्सिंग में शामिल होने और पाकिस्तान की एक महिला से पैसे लेने जैसे संगीन आरोप लगाए थे।

सीओए के प्रमुख विनोद राय ने बुधवार को एसीयू के प्रमुख नीरज कुमार को शमी के ऊपर लगे आरोपों की जांच करने और एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट देने के लिए ईमेल किया। राय ने बीसीसीआई के पदाधिकारियों और मुख्य कार्यकारी अधिकारी राहुल जौहरी को भी इसकी सूचना दी है।

राय ने अपने पत्र में कहा मीडिया में आ रही विभिन्न खबरों के अनुसार शमी पर कई तरह के आरोप लग रहे हैं। सीओए ने शमी और उनकी पत्नी के बीच की टेलीफोन पर हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग भी सुनी है। सीओए इस बातचीत में केवल उस हिस्से को लेकर चिंतित है जिसमें दावा किया गया है कि शमी ने मोहम्मद भाई से किसी पाकिस्तानी महिला अलीश्बा के जरिए पैसा लिया है।

हसीन ने इससे पहले कोलकाता में संवाददाताओं से बातचीत में भी बार बार अलीश्बा का नाम लेते हुए दावा किया था कि शमी इस नाम की पाकिस्तानी लडक़ी के जरिए मैच फिक्सिंग का पैसा ले रहा है। सीओए प्रमुख ने एसीयू प्रमुख नीरज से भारतीय क्रिकेटर पर लगाए गए फिक्सिंग के आरोपों की जांच के लिए कहा है और सीओए को अपनी रिपोर्ट सप्ताह भर में देने के लिए कहा है ताकि बोर्ड आगे की कार्रवाई कर सके।

राय ने एसीयू प्रमुख से मोहम्मद भाई और अलीश्बा नाम के व्यक्तियों की पहचान करने और शमी की इनके साथ संबंधों को लेकर अपनी जांच का केंद्र रखने के लिए भी कहा है। सर्वोच्च अदालत द्वारा नियुक्त सीओए प्रमुख ने सात दिनों से अधिक देर तक जांच को नहीं बढ़ाने के लिए भी कहा है।

कप्तान कोहली बोले, अब शरीर को देखते हुए 'वर्कलोड' जरूरी

मुंबई (एजेंसी)।

दुनिया के फिट क्रिकेटरों में से एक भारतीय कप्तान विराट कोहली ने आज स्वीकार किया कि अब समय आ गया है जब वह अपने शरीर की जरूरत को समझे और अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिये कार्यभार का प्रबंधन करें। कोहली को श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय ट्वेंटी20 सीरीज के लिये आराम दिया गया है। कोहली ने यहां' टिसो' ब्रांड की घड़ी के प्रोमोशनल कार्यक्रम के मौके पर कहा, 'शारीरिक रूप से कुछ हल्की फुल्की चोट हैं, मैं इनसे उबर रहा हूं। वर्कलोड ने थोड़ा असर दिखाना शुरू कर दिया है। अब मुझे ज्यादा सतर्क होना होगा कि मैं अपने शरीर, दिमाग और क्रिकेट के साथ कैसे आगे बढ़ूं।'

उन्होंने कहा कि ब्रेक उन्हें नयी चुनौतियों के लिये तैयार होने के लिये उबरने में मदद कर रहा है जिसकी शुरूआत आईपीएल से होगी। कोहली ने कहा, 'आगे बढ़ने के लिये इस तरह का समय काफी अहम है। मैं इसका लुत्फ उठा रहा हूं। मुझे किसी भी चीज की कमी नहीं खल रही है क्योंकि

मेरे शरीर को वाकई इसकी जरूरत थी। हालांकि मैं मैचों पर नजर लगाये हूं। लेकिन मैं इस समय मैच नहीं देख रहा हूं और ऐसा नहीं लग रहा है कि मुझे मैदान पर होना चाहिए था क्योंकि मैंने अपने शरीर की जरूरत को महसूस करना शुरू कर दिया है।'

उन्होंने कहा, 'और जब यह समय पूरा हो जायेगा तो निश्चित रूप से आईपीएल में मैं और ज्यादा तरोताजा हो जाऊंगा। मैं मैदान में ज्यादा सतर्क रहूंगा। मैं लगातार लंबे समय से खेल रहा हूं। मैंने शायद ही किसी मैच को मिस किया हो। लेकिन आपको अपने शरीर का सम्मान करना होता है और मेरे लिये यह दौर बहुत ही महत्वपूर्ण है।' कोहली ने कहा, 'मैं घंटों तक बैठा रह सकता हूं और घंटो तक ऐसे ही रह सकता हूं। मैं मैदान में जो ऊर्जा दिखाता हूं, घर पर इसके विपरीत हो जाता हूं क्योंकि जब मैं घर पर होता हूं तो मैं बिलकुल भी हिलता नहीं, बैठा रहता हूं।'

कोहली का सभी प्रारूपों में खेलना सुनिश्चित है तो इसी को देखते हुए वह उन पांच क्रिकेटरों में से एक हैं, जिन्हें बीसीसीआई ने ए प्लस का केंद्रीय अनुबंध दिया है। कोहली को महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर काफी प्रिय हैं, उन्होंने कहा, 'रोजर फेडरर मेरे पसंदीदा खिलाड़ी हैं। वह कितनी खूबसूरती से खेलते हैं। उनका परिवार है, प्राथमिकतायें तय है, वह लोगों की राय और आलोचनाओं की चिंता किये बगैर खेल से समय निकालते हैं और सारे तर्कों को नकारते हुए वह36 साल की उम्र में ग्रैंडस्लैम जीतते हैं, मुझे उनकी यही चीज लुभाती है।' यह पूछने पर कि वह किसको घड़ी भेंट में देना चाहेंगे तो उन्होंने कहा, 'युजवेंद्र चहल को, जो हमेशा ही देर से आते हैं ताकि वह समय पर आयें।'

भारतीय महिला टीम की ऑस्ट्रेलिया से भिड़ंत, श्रृंखला बराबर करने पर निगाहें

वड़ोदरा (एजेंसी)।

पहले मैच की हार से सतर्क भारतीय महिला क्रिकेट टीम मजबूत आस्ट्रेलिया के खिलाफ कल यहां होने वाले करो या मरो वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में अपनी गलतियों में सुधार करके तीन मैचों की श्रृंखला बराबर करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी। यह श्रृंखला आईसीसी महिला वनडे चैंपियनशिप का हिस्सा है और इसलिए यह दोनों टीमों के लिये काफी महत्वपूर्ण है।

श्रृंखला के शुरूआती मैच में भारतीय टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा था। आस्ट्रेलिया ने उसे लगभग 18 ओवर शेष रहते हुए आठ विकेट से हराया था। पिछले मैच में आस्ट्रेलियाई स्पिनरों ने भारतीय बल्लेबाजों को नहीं चलने दिया था। उसके स्पिनरों ने आठ विकेट लिये थे। भारत को अगर जीत दर्ज करनी है तो उसकी बल्लेबाजों को स्पिनरों के सामने बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

गेंदबाज 201 रन के लक्ष्य का बचाव करने में नाकाम रहे। उन्हें बल्लेबाजों के अलावा क्षेत्ररक्षकों से भी

मदद नहीं मिली। अगर सुषमा वर्मा और पूजा वस्त्राकर ने आठवें विकेट के लिये 76 रन की साझेदारी नहीं की होती तो भारतीय टीम को और बुरी हार का सामना करना पड़ता। कप्तान मिताली राज की अनुपस्थिति भी भारत को भारी पड़ी जिनके कल के मैच के लिये फिट होने की संभावना है।

कार्यवाहक कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मैच में हार के बाद कहा था, 'आप निचले क्रम की बल्लेबाजों से प्रतिस्पर्धी स्कोर की उम्मीद नहीं कर सकते हो। हमारी सीनियर बल्लेबाजों को जिम्मेदारी संभालनी होगी। हमारे क्षेत्ररक्षण में भी सुधार की जरूरत है और हमें क्षेत्ररक्षण के अनुसार गेंदबाजी करनी होगी।' स्मृति मंधाना और पूनम राउत की अनुभवी सलामी जोड़ी को टीम को ठोस शुरूआत देने की जरूरत है। सत्रह वर्षीय जेमिमा रोड्रिग्स वनडे में पदार्पण पर कुछ खास नहीं कर पायी थी और यह देखना होगा कि मिताली की वापसी पर वह अपना स्थान बरकरार रख पाती हैं या नहीं।

गेंदबाजों को अपने खेल में सुधार करना होगा क्योंकि वे आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को चुनौती पेश नहीं कर पाये। आस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज निकोल बोल्टन बेहतरीन फार्म में हैं। उन्होंने नाबाद 100 रन बनाये। वह फिर से इस तरह की पारी खेलने की कोशिश करेगी जबकि उनकी जोड़ीदार एलिसा हीली भी अपना विकेट इनाम में देने से बचना चाहेगी। कप्तान मेग लैनिंग भी अच्छी फार्म में हैं। कुल मिलाकर विश्व कप सेमीफाइनल में भारत से हारने वाली आस्ट्रेलियाई टीम का हर विभाग मजबूत दिख रहा है और ऐसे में भारतीय टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

सूरत समाचार

क्रांति समय

मृत सफाई कामगारों के परिजनों को चैक वितरित

सूरत। मनपा के सफाई कामगारों की खार कुंआ और गटर की सफाई करते समय 1993 से लेकर आज तक जिसकी मौत हो चुकी है उक्त कामगारों के परिजनों को मेयर और अन्य योजना के तहत 10 लाख की सहायता राशि के चैक मनपा द्वारा प्रदान किये गया।

बमरोली गांव में युवक की हत्या

संवाददाता, सूरत। पांडेसरा के बमरोली गांव के खाली प्लॉट में स्थित झाड़ी में से एक युवक की गला रेतकर हत्या की गई लाश मिलने से सनसनी मच गई। घटना की जानकारी होने पर पांडेसरा पुलिस स्थल पर पहुंचकर अज्ञात हत्यारे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

घटना के संदर्भ में पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार बमरोली गांव सर्वे नं. 301 स्थित बबूल की झाड़ी में से एक युवक की धागा काटने वाले धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की गई लाश मिली है। मृतक युवक की उम्र करीब 30 वर्ष की है। इसकी हत्या किस कारणों से और किसने की ? इस संदर्भ में पुलिस अज्ञात हत्यारे के खिलाफ मामला दर्ज करके जांच शुरू की है।

कपड़ा ग्राहकी पर मार्च एण्डिंग का असर

बैंकिंग कार्य निस्तारित करने में जुटें कपड़ा कारोबारी

संवाददाता, सूरत। कपड़ा कारोबार में मार्च एण्डिंग का असर साफ दिखाई देने लगा है। कपड़ा कारोबारी ग्राहकी में कम अपने बैंकिंग संबंधी कामकाज निपटाने में अधिक समय दे रहे हैं। यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, पश्चिम बंगाल सहित अन्य प्रदेशों में मांगलिक व वैवाहिक आयोजन शुरू होने के बावजूद भी वहां के खुदरा व्यापारी सूरत स्थित कपड़ा मार्केट में नहीं आ रहे हैं। बुधवार को कपड़ा मार्केट में कम ग्राहकी हुई। वहीं अभिषेक कपड़ा मार्केट के कारोबारी महेन्द्र पांडेय ने बताया कि बाहर के कपड़ा कारोबारी मार्केट में कम आ रहे हैं। मार्च एण्डिंग को लेकर कपड़ा कारोबारी लेन-देन और आय-व्यय का लेखा-जोखा तैयार करने में लगे हैं। रुके हुए पेमेंट का भी लेन-देन हो रहा है। 1 अप्रैल से अन्तर्राज्यीय ई-वे-बिल लागू होने से कपड़ा कारोबार पर असर पड़ा है। वहीं जीएसटी कौंसिल की 26वीं बैठक में जीएसटी रिटर्न की मौजूदा व्यवस्था तीन माह बढाने और निर्यातकों को मिली कर छूट को आगामी छह माह के लिए बढ़ा दिए जाने से कपड़ा कारोबारियों को भी राहत मिलेगी। कपड़ा कारोबारी को आगामी एक अप्रैल से शुरू होने वाले नए वित्तीय वर्ष में कपड़ा ग्राहकी में बढ़ोतरी की आस है।

तापी नदी में नहाने गया युवक डूबा

संवाददाता, सूरत। शहर के मोराभागल फायर स्टेशन के पास रहने वाला 18 वर्षीय युवक हनुमान टेकरी के पास तापी नदी में नहाने गया था। जहां पर उसका पैर फिसलने के कारण गहरे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई।

घटना के संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार मोरा भागल फायर स्टेशन के सामने सर्वोदय स्ट्रीट में रहने वाले भगवान बाई भेंसाणिया के पुत्र केतन उर्फ किरण (18 वर्ष) गत रोज शाम 5 बजे के लगभग हनुमान टेकरी के पास तापी नदी में अपने मित्रों के साथ नहाने गया था।

जहां पर केतन का पैर गहरे पानी में फिसल गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। घटना के संदर्भ में चौक बाजार पुलिस आकस्मिक दुर्घटना का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

कीटनाशक दवा खाकर विवाहिता ने की आत्महत्या

संवाददाता, सूरत। कापोद्रा के नाना वराछा में रहने वाली विवाहिता ने किसी अज्ञात कारणों से अनाज में रखा जाने वाला पाउडर पी लेने से उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नाना बराछा के संस्कार काम्पलेक्स चीकूवाडी में रहने वाले नरेश नावडिया की पत्नी दिव्याबेन (28 वर्ष) ने 12 मार्च को किसी कारणों से अनाज में रखा जाने वाला पाउडर पी ली थीं। जिनको इलाज के लिए आयुष अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां पर इलाज के दौरान बुधवार को दिव्याबेन की मौत हो गई। दिव्या ने किस कारणों से ऐसा कदम उठाया, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस आत्महत्या का मामला दर्ज करके जांच शुरू की है।

तीन दिवसीय विशाल हनुमान जयंती महोत्सव 30 से

दरिद्र नारायण भोजन, निशान ध्वज व विशाल भजन संध्या का आयोजन

सूरत। आध्यात्म चेतना चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से हनुमान जयंती एवं ट्रस्ट के 14वें वार्षिकोत्सव पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। तीन दिवसीय जयंती महोत्सव 30 से 1 अप्रैल तक मनाया जाएगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष अरूण तोला ने बताया कि महोत्सव में दरिद्र नारायण भोजन, निशान पदयात्रा, हनुमान मंगल कवच पाठ व विशाल भजन संध्या सहित विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के यजमान प्रकाश सुल्तानिया होंगे। 31 मार्च शनिवार सुबह सात बजे अलथाण विशाल इन्क्लेव से विशाल निशान पदयात्रा निकाली जाएगी। इस अवसर पर बालाजी महाराज का दरबार श्रृंगारित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य यजमान प्रकाश तोदी द्वारा ज्योति प्रज्वलन व निशान पूजा किया जाएगा। निशान यात्रा वेसू के वीआईपी रोड स्थित श्रीश्याम मंदिर पर पहुंचकर संपन्न होगी। जयंती के तीसरे दिन एक अप्रैल को हनुमान मंगल कवच पाठ व विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा।

सूरत। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नितल शाह को एसोसिएशन ऑफ अलायंस क्लब इंटरनेशनल, मल्टीपल वेस्ट की मल्टीपल कंवेंशन में बेस्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर और डिस्ट्रिक्ट 158 को बेस्ट डिस्ट्रिक्ट और उनकी टीम को कुल 17 अवार्ड इंटरनेशनल प्रेसिडेंट डॉ शान्तम्मा, पास्ट इंटरनेशनल प्रेसिडेंट अनूप मित्तल, पास्ट इंटरनेशनल प्रेसिडेंट डॉक्टर कैप्टेन कुलदीप सिंह, एमसीसी रमेश नागर के हाथों दिया गया । इस कार्यक्रम में अतिथि विशेष संत श्री विरल बापू , सीए एसोसिएशन के प्रमुख पराग रावल और अभिनेता व मॉडल गोकुल बरैया भी मौजूद रहे । कार्यक्रम का संचालन डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नितल शाह और पी एम सी सी अजय हवेलियां द्वारा किया गया एवम सभी का अभिवादन किया।

विनायक नगर में गूंजी सुंदरकाण्ड की चौपाइयां

उत्तर भारतीय सर्व समाज सेवा समिति की ओर से आयोजन

सूरत। पांडेसरा इलाके विनायक नगर सोसायटी में उत्तरभारतीय सर्व समाज सेवा समिति की ओर से मंगलवार को सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। ख्याति प्राप्त कलाकारों ने संगीतमय सुंदरकांड की चौपाइयों का वाचन कर लोगों को झूमने पर विवश कर दिया। सुंदरकांड की पूर्णाहुति के बाद आरती और महाप्रसादी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आयोजक बनवारी लाल मौर्य, अमरजीत साहनी, डॉ. राजकुमार मौर्य, प्रेमकुमार निषाद, जगदम्बा तिवारी उर्फ बड़ेलाल तिवारी, राम उजागिर प्रजापति उर्फ रामू, केशव प्रसाद साहनी, दिनेश सिंह, एचके उपाध्याय सहित काफी तादाद में भक्तों ने महाप्रसादी पाई।

रांदेर के युवक ने लगाई फांसी

सूरत। रांदेर के गेल टावर के पास रहने वाले एक युवक ने किसी अज्ञात कारणों से घर में लगे पंखे के साथ रस्सी बांधकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

रांदेर पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार रांदेर के गेल टावर परमिल अपार्टमेंट घर नं. यू-5 में रहने वाले धर्मेन्द्र बाबूलाल शाह (47 वर्ष) ने मंगलवार को अपने घर में पंखे के साथ रस्सी बांधकर फांसी लगाए हुए हालत में मिले थे। जिनको इलाज के लिए 108 द्वारा नई सिविल अस्पताल में ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच करने के बाद धर्मेन्द्र को मृत घोषित कर दिया। पुलिस आत्महत्या का मामला दर्ज करके आगे की जांच शुरू की है।

इशरत मामले में मोदी से की गई थी पूछताछ, पूर्व आईपीएस अधिकारी डीजी वंजारा का दावा

अहमदाबाद। पूर्व आईपीएस अधिकारी और इशरत जहां फर्जी मुठभेड़ मामले के आरोपी डीजी वंजारा ने एक सनसनीखेज दावा करते हुए कहा कि एक जांच अधिकारी ने नरेन्द्र मोदी से गुप्त रूप से पूछताछ की थी। स्वयं को आरोप मुक्त कराने के लिए विशेष सीबीआई अदालत में दायर की गई अपनी अर्जी में वंजारा ने कहा कि गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछताछ की गई थी। लेकिन इस मामले के रिकार्ड में इसकी जानकारी नहीं रखी गई है। इससे साबित होता है कि इस मामले के रिकार्ड में मौजूद समूची सामग्री एक झूठी कहानी है। उन्होंने कहा कि तथ्य यह है कि तत्कालीन जांच टीम राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुंचकर इस मामले में उन्हें आरोपी बनाने की कोशिश कर रही थी और इसी मकसद के लिए आरोपपत्र की पूरी कहानी गढ़ी गई। वंजारा की अर्जी पर विशेष सीबीआई जज जेके पांड्या ने सीबीआई को नोटिस जारी कर 28 मार्च तक जवाब मांगा है। पूर्व डीआईजी ने गुजरात पुलिस के पूर्व प्रभारी महानिदेशक पीपी पांडे को मामले से आरोपमुक्त किए जाने के आधार पर खुद को आरोपमुक्त किए जाने का अनुरोध किया। वंजारा ने कहा कि सीबीआई द्वारा दर्ज किए गए गवाहों के बयान बहुत ही संदिग्ध हैं। प्रथमदृष्टया यह साबित करने के लिए कोई साक्ष्य नहीं है कि उनके चैम्बर में रची गई साजिश के परिणामस्वरूप मुठभेड़ हुई, जैसा कि आरोपपत्र में दावा किया गया है। गौरतलब है कि मुंबई की 19 वर्षीय इशरत, जावेद शेख उर्फ प्राणेश पिल्लई, अमजद अली अकबर अली राणा और जीशान जौहर 15 जून-2004 को अहमदाबाद के बाहरी इलाके में एक कथित मुठभेड़ में मारे गए थे।

पानी की टंकी में डूबने से मासूम बच्चे की मौत

सूरत। खटोदरा के एसएमसी आवास के पास झोपड़ पट्टी के पीछे पानी की टंकी में डूबने से 4 साल के मासूम बालक की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार खटोदरा क्षेत्र एसएमसी आवास के पास अलथाण में संजय कालरा अपने परिवार के साथ रहते हैं। इनका चार वर्षीय बालक कार्तिक एसएमसी आवास के पास स्थित पानी की टंकी के पास खेल रहा था। उसी दौरान कार्तिक खेलते-खेलते अचानक पानी की टंकी में गिर गया। जिससे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई।

सूरत। अर्चना स्कूल के सामने मनपा द्वारा बनाया गया ऑवर -ब्रीज ट्रक और टैक्टर मालिको के लिए मुफ्त में पार्क करने की व्यवस्था कर रखी है।नतीजतन ,अन्य क्षेत्रों में वसूली की जाती है। राहगीरों की सुविधा के लिए और आवागमन को सुलभ बनाने के वास्ते पार्किंग का लाभ दुपहिया वाहनो को नहीं मिल रहा है।जबकि ऑवर -ब्रीज के निचे पार्किंग का लाभ अपने जोर और जबरदस्ती से ट्रक मालिक करते है। रेणुका के पास अर्चना स्कूल के समक्ष अनेक ट्रक और टैक्टर की अवैध रूप से पार्किंग की जा रही है। दूसरी तरफ लोगो ने ऑवर -ब्रीज के निचे की जगह दुपहिया वाहन की पार्किंग के लिए उपलब्ध की गई है, वहा पर अपना घर बनाकर गरीब लोग रह रहे है।

सामूहिक दुष्कर्म की शिकार युवती ने की आत्महत्या की कोशिश

देवभूमि द्वारका। जिले के भाणवड में दो महीने पहले गैंग रेप की शिकार नाबालिग युवती ने जहरीली दवाई पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। युवती को जामनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है।

करंट के झटके देकर लूट ले गए करोड़ों के हीरे

सूरत। शहर के कतारगाम क्षेत्र में बदमाशों ने बुधवार रात ग्लो स्टार कंपनी के कर्मचारियों के साथ फिल्मी अंदाज में लूट को अंजाम दिया। कर्मचारी को करंट के झटके देकर बदमाश बैग छीन ले गए। जिसमें करोड़ों के हीरे थे। बदमाशों ने लूट की वारदात उस वक्त की, जब कर्मचारी हीरों को कतारगाम सेफ वाल्ट में रखने जा रहा था। सूचन मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। बदमाशो की शिनाख्त के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है।

सूत्रों के अनुसार कतारगाम में नंदू दोषी की वाड़ी में हीरा कारोबारी केशूभाई गोटी की कंपनी ग्लो स्टार का दफ्तर है। बुधवार रात करीब नौ बजे कंपनी के कर्मचारी विजय मियाणी हीरों को कतारगाम बालाश्रम के पास कतारगाम सेफ वाल्ट में रखने के लिए अनपे एक साथी के साथ कार में निकला था। कतारगाम सेफ वाल्ट बिल्डिंग पर पहुंच कर जैसे ही दोनों कार से उतरे, करीब आधा दर्जन बदमाश अचानक उनके नजदीक आए और किसी यंत्र से करंट के झटके देकर विजय के हाथ से हीरों भरा बैग छीन लिया। जब तक दोनों माजरा समझते, बदमाश बैग लेकर फरार हो गए। हादसे के बाद आसपास लोग जमा हो गए। पुलिस को सूचन दी गई। एसओजी, पीसीबी, डीसीबी समेत पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस टीम ने मौके पर मुआयना करने के साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी तलाशी। बताया जा रहा है कि सीसीटीवी में घटना के फुटेज मिले हैं। पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने के लिए नाकेबंदी भी की, लेकिन समाचार लिखे जाने तक बदमाश पुलिस की पहुंच से दूर थे। हीरों की कीमत का भी अभी तक पता नहीं चल सकी है, लेकिन बताया जा रहा है कि उसमें 15 करोड़ से अधिक के हीरे रखे हुए थे।

कांग्रेस विधायक ने बीजेपी विधायक पर माइक से किया हमला

गुजरात विधानसभा की घटना

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा में कांग्रेस और बीजेपी के विधायकों में जमकर हाथापाई हुई है। कांग्रेस विधायक प्रताप दुधार्क ने बीजेपी के जगदीश पंचाल को सदन में थप्पड़ मार दिया। इसके जवाब में बीजेपी के विधायकों ने कांग्रेस के विधायक अमरीष डेर की पिटाई कर दी। सदन के भीतर रेप आरोपी आसाराम पर चर्चा हो रही थी। इसी दौरान कांग्रेस के विधायक इस पर सत्तापक्ष से अतिरिक्त सवाल पूछना चाहते थे। लेकिन बीजेपी विधायकों ने इसका विरोध किया। इस बीच प्रश्नकाल समाप्त हो गया और कांग्रेस विधायक अपना आपा खो बैठे। उन्होंने माइक से बीजेपी विधायक पर हमला कर दिया। विधानसभा में विधायकों ने एक-दूसरे पर बेल्ट से भी हमला किया। फिलहाल गुजरात में विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है। इस हाथापाई के बाद स्पीकर ने कांग्रेस के विधायक अमरीष डेर और विक्रम माडम को दिनभर के लिए सस्पेंड कर दिया है। गुजरात में हाल में हुए चुनाव में बीजेपी ने अपनी सत्ता को बरकरार रखा है। यहां बीते 21 साल से बीजेपी की सरकार है। यह राज्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गृह राज्य होने की वजह से भी चर्चा में रहता है।

कांग्रेस के दो विधायक 3 साल और 1 सालभर के लिए विधानसभा से सस्पैंड

गुजरात विधानसभा में आज मारपीट की घटना के बाद कांग्रेस के दो विधायकों प्रताप दूधात और अमरीश डेर को 3 साल तथा बलदेव ठाकोर को एक वर्ष के लिए सदन की कार्यवाही से सस्पैंड कर दिया गया। गुजरात विधानसभा में भाजपा-कांग्रेस विधायकों के बीच हुई मारपीट के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी। कुछ समय पश्चात विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने पर उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कांग्रेस के दोषी विधायकों को तीन साल के लिए निलंबित करने की दरखास्त पेश की। उन्होंने कहा कि परेश धानाणी और शैलेष परमार ने कांग्रेस विधायकों को शांत करने का प्रयास किया था। नितिन पटेल ने कहा कि भाजपा के किसी भी विधायक ने सदन में अपशब्द नहीं कहे। लेकिन बलदेव ठाकोर के अचानक आक्रामक तेवर अपनाने से विवाद बढ़ गया। उन्होंने कहा कि हर्ष संघवी और जगदीश पंचाल को मार देने की धमकी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उप मुख्यमंत्री ने आज की घटना को पुरानी घटना से ज्यादा हिंसक बताते हुए इसे लोकतंत्र के लिए कलंक बताया। नितिन पटेल ने कहा कि जनता ने हम भरोसा कर विधानसभा में इसलिए भेजा है ताकि हम उनकी समस्याओं का निराकरण कर सकें। विधानसभा के सदस्य बजट और नीति नियम बनानेवाले लोग हैं।

कोजवे के पानी में ऑक्सीजन की कमी पर मनपा का निर्णय

कतारगाम, रांदेर वॉटरवर्क्स इंटेक वेल के चारो तरफ फ्लोटिंग सिस्टम प्रारंभ

सूरत। कोजवे सपाटी में सतत कमी के कारण ऑक्सीजन में भी कमी देखने को मिल रही है। मामूली ऑक्सीजन के कारण पानी की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन का प्रमाण बढ़ाने के लिए मनपा द्वारा कतारगाम और रांदेर इंटेकवेल के चारो तरफ प्लोटिंग एरशन सिस्टम कार्यरत किया गया है।

उक्त सिस्टम को कार्यरत किए जाने से शहरीजनों को पीने लायक पानी भारी मात्रा में उपलब्ध कराया जा सकता है। कम वर्षा होने के कारण शहरीजनों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। सिंचाई विभाग द्वारा उकाई डैम में से पानी छोड़ने के लिए इनकार किए जाने पर वीयर-कम-कोजवे की सपायी में सतत कमी हो रही है। जिससे पानी की गुणवत्ता में खामी दिखाई दे रहा है। जिसे दूर करने के लिए मनपा ने कतारगाम और रांदेर वॉटरवर्क्स इंटेक वेल के चारो तरफ फ्फ्लोटिंग एरशन सिस्टम लगाने के लिए मन बना लिया है। इससे ऑक्सीजन की मात्रा में वृद्धि होगी और पानी की गुणवत्ता बनी रहेगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com